রুনি f. (r. নু s. নি producta radicis vocali) celeritas. Am. রু রু 1. ৮. (রীর্টা শ. রয়ানী লগ্ন ৮.) contritum esse, senescere, occidere, cf. রুর্ল, মুর, রু i.e. রুর, unde রুর, mutato म in ক্র.

রুনি f. (r. তলার s. নি) febris. Am. (Hib. gurt «pain, trouble, fierceness».)

রুর্ 1. P. (ন্নম্ব) occidere. (Hib. gearbaim "I grieve, hurt, wound".)

রুष্ ^{1. ৮.র.} (हिंसायाम् ४. वधे ৮.) laedere, occidere, cf. রব্, হুষ্, রম্, জব্, কুষ্

ज्ञृ 1. P. (त्यक्कारे) humilius, brevius reddere. (Cf. nostrum kur-z, scot. gearr, goirid brevis.)

जुम्म् 1. 4. (scribitur जुम्, gr. 110°).) 1) id. H. 2.6.: जुम्ममाणः, PAR. BHAR. 3.4.: तृष्णे जुम्मसि पापकर्मानरते ना 'बा 'पि सन्तुष्यसि. 2) laxare arcum. R. Schl.
L. 75. 17.: तदा तु जुम्मितं शैवन् धनुर ... छुङ्कारेणः
19.: जुम्मितन् तद् धनुर दुङ्गाः V. जुम्, जुम्मणः

c. उत् hiare, aperire, se expandere. Lass. 69.5.: वसन्तः सन्तता उत्तामितानङ्गप्रहारः

с. उत् praef. सम् conari, contendere. Внав. 2.6.: ट्या-लम् बालमृणालतन्तुभित्र स्रसी राद्धम् उड्यम्भते

c. वि hiare, se expandere; diffundi, dispergi. Un. रृज-न्याम् विज्ञुम्भते मद्भवाधाः RAGH.3.19.: सुख्यवा मङ्गलतूर्यनिस्वनाः ... व्यज्ञम्भन्तः

जुम्भण n. (r. जुम्भू s. अन्) actio aperiendi, expandendi, efflorescendi. Bhar. 1.24.: मालती शिरिस जुम्भणा-न्मुली.

রু 1.4.9.10. চ. র্নাদি, রীর্যাদি (gr. 330.), রূ্াাদি (gr. 385.), রাম্যাদি 1) conteri, consumi, confici, praeser-

tim aetate. K.: जुणाति ज्ञास्या जनः; Part. pass. जीर्ण senex, vetus, decrepitus. BH. 2.22.: वासांसि जीर्णानिः R. Schl. II. 2.6.: जीर्णस्या 'स्य शरीरस्य विश्रान्तिम् म्रभिराचये 2) concoquere, digerere. HIT. 5.14.: म्रजीर्पी भोजनम् विषम् · - Caus जरयामि et जारयामि concoquere, digerere. Man. 1.2240.: ज्ञायामास तद् (ञि-षम्.) वीरः सहा 'त्रेनः (V. जरत्, जरा, जरित et cf. क्, त्रूर, त्री, तिरि, चूर्ण्, गूर्र, 2.कृ, श्रृ; hib. crionaim « I dry, wither, fade, dwindle», criona «old, ancient, prudent, sage» = जीर्एा; v. जात; fortasse lat. aeger huc pertinet, ita ut ae sit praepositio, quam ad 规矩 q.v. vel म्रति retulerim, ejectâ consonante; slav. 3ρ bio ζrjejú maturesco, russ. 3epHo ζerno granum a conterendo dictum et forma cum part. जीर्पा cohaerere videtur; lat. granum fortasse per metathesin e garnum = जीएाँ, quod ipsum e जाएा, attenuato ह्या in ई, v. gr. 308., Vocalismus p. 214.; goth. kaurn, Th. kaurna pro kurna (gr. comp. 519.) e karna; nostrum Korn; lith. girna lapis molae manuariae, girnos pl. mola manuaria; russ. Жерновъ schernoo lapis molaris; goth. quairnus mola, germ. med. quirn, kurn, id.; cf. Pott. p. 228.)

जेत m. (r. जि s. त) victor. Am.

রামন n. (r. রিম্ edere s. স্থন) cibus, victus. Am. (Hib. diamann «food, sustenance», v. রম্.)

जिष् 1. 4. (गती ४. गत्याम् 🕬 ire.

जेल् 1. 4. (यत्ने. Fortasse forma redupl. a r. हि, abjecto रू) operam dare, niti.

जै 1. P. (चये) perire; cf. चै.

রীর Adj. (Fem. রী, ut videtur, a perdito primitivo রির, a r. রি s. র, sicut चির a चि) victor, victoriosus. RAGH. 4.16.12.85.

রু (r. রা s. স্ত্র) sciens, noscens, in fine compp. N. 2. 17.

রাবু Haec a grammaticis tanquam radix proposita syllaba nil aliud est quam Caus. radicis রা, cujus Caus. vulgo sonat রাব্য (gr.519.), unde র্বু correpto সা in স, quam correptam formam ibi tantum adhibitam videmus, ubi